11

कार्यरत शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए “निष्ठा” कार्यक्रम
एक अनूठा प्रयास

निष्ठा (NISHTHA, नेशनल इनिशिएटिव फ़ॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स हॉलिस्टिक एडवांसमेंट) विद्यालय प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र प्रगति के लिए राष्ट्रीय पहल एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए एक क्षमतावर्धन कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक स्तर (कक्षा 1 से कक्षा 8) के सभी शिक्षकों और विद्यालय प्रमुखों की क्षमता का संवर्धन करना है। इस कार्यक्रम के तहत, पदाधिकारियों (राज्य, ज़िला, ब्लॉक, क्लस्टर स्तर पर) को सीखने के प्रतिफलों, विद्यालय आधारित आकलन, शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षाशास्त्र, शिक्षा में नई पहल, बहु शिक्षा शास्त्रीय माध्यम द्वारा बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं को संबोधित करने आदि को एकीकृत कर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। निष्ठा के अंतर्गत राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर राष्ट्रीय संसाधन समूहों (NRGs) और राज्य संसाधन समहों (SRGs) का गठन करके प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप देश के 42 लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम संभवत: शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी पहल मानी जा सकती है। इस लेख के द्वारा यह बताया जा रहा है कि यह सरकार द्वारा शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है अत: सभी शिक्षक इसका लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए तैयार संसाधन सामग्री को ऑनलाइन कम्प्यूटर/ फ़ोन के द्वारा पढ़कर उसका लाभ उठा सकते हैं।

© NCERT not to be republished

विद्यालय प्रमुख, शिक्षकों तथा राज्य स्तर के कार्यकर्ताओं के क्षमता संवर्धन के लिए, विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए, बच्चों द्वारा सीखने के प्रतिफलों की संप्राप्ति के लिए, विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा, विद्यालय आधारित मूल्यांकन एवं विषय विशिष्ट शिक्षण में गुणवत्ता लाने के लिए देश में मानव संसाधन मंत्रालय (MHRD), रा. शै.अ.प्र.प. (NCERT), नीपा (NIEPA) के सहयोग से निष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम अगस्त 2019 में प्रारंभ किया गया था और इसके तहत सभी राज्यों के शिक्षकों एवं प्रधान अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

रा.शै.अ.प्र.प. एवं नीपा के द्वारा प्रारंभिक स्तर पर 42 लाख अध्यापकों एवं विद्यालय प्रमुखों के समग्र विकास हेतु ‘निष्ठा’ कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण देने का प्रयास है। इस कार्यक्रम का लाभ

---

*रा.शै.अ.प्र.प. के सौजन्य से

लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए दो प्रशिक्षण पैकेज तैयार किए गए हैं। पहला 'प्रशिक्षण पैकेज' मुख्य संसाधन व्यक्ति एवं अध्यापकों के लिए है जिसमें बारह मॉड्यूल हैं। दूसरा 'नेतृत्व पैकेज' है जोकि मुख्य संसाधन व्यक्ति एवं विद्यालय प्रमुखों के लिए है, जिसमें पाँच मॉड्यूल्स शामिल हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. की ओर से 'निष्ठा' का एक वेब पोर्टल भी बनाया गया है। जिसमें पाठ्यसामग्री, वेब-संसाधन, विचार-विमर्श मंच, प्रशिक्षुओं का ई-पोर्टफ़ोलियो, प्रशिक्षण डेटाबेस, निगरानी और प्रतिक्रिया एवं ट्यूटोरियल शामिल हैं। वेब पोर्टल तक पहुँचने और ऐप डाउनलोड करने हेतु क्यू.आर. कोड बनाया गया है जिसको स्कैन करके वेब पोर्टल का इस्तेमाल किया जा सकता है।

निष्ठा प्रशिक्षण में दो पैकेज हैं पहला विद्यालय प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए और दूसरा नेतृत्व विकास के लिए।

© NCERT
not to be republished

मॉड्यूल 1—पाठ्यचर्या, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षणशास्त्र, सीखने के प्रतिफल और समावेशी शिक्षा

मॉड्यूल 2— स्वस्थ विद्यालय पर्यावरण बनाने के लिए व्यक्तिगत-समाजिक योग्यता विकसित करना

मॉड्यूल 3 —कला समेकित शिक्षा (अनुभावात्मक अधिगम का एक शैक्षणिक तरीका)

मॉड्यूल 4 — विद्यालय आधारित आकलन

मॉड्यूल 5 — विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण

माड्यूल 6— शिक्षण अधिगम और आकलन में आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का समाकलन

मॉड्यूल 7— विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें

मॉड्यूल 8— पर्यावरण अध्ययन का शिक्षणशास्त्र

मॉड्यूल 9— गणित शिक्षणशास्त्र

मॉड्यूल 10— भाषा शिक्षणशास्त्र

मॉड्यूल 11—विज्ञान शिक्षणशास्त्र (उच्च प्राथमिक स्तर)

मॉड्यूल 12— सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र (उच्च प्राथमिक स्तर)

उपर्युक्त मॉड्यूल्स में विषय से संबंधित तमाम गतिविधियाँ हैं जिसे मुख्य संसाधन व्यक्ति (Key Resource Person) और प्रतिभागी आसानी से (Participants, Teachers) समझ कर अमल में ला सकते हैं तथा अन्य को भी प्रशिक्षित कर सकते हैं। इसके साथ ही निष्ठा कार्यक्रम में एक खास बात यह है कि इनमें विद्यालय प्रमुखों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि वे अपने विद्यालय के शिक्षकों को सहयोग (Academic Input) दे सकें और शिक्षकों और विद्यालय प्रमुखों को सामूहिक मंच पर लाया जा सके। विद्यालय प्रमुखों में नेतृत्व क्षमता और सुदृढ़ हो सके। दूसरा नेतृत्व पैकेज जोकि प्रशिक्षण पैकेज का दूसरा भाग हैं उसमें 5 मॉड्यूल्स हैं जिनके शीर्षक इस प्रकार हैं—

मॉड्यूल 1— विद्यालय नेतृत्व – अवधारणा एवं अनुप्रयोग

मॉड्यूल 2— पूर्व-प्राथमिक शिक्षा

मॉड्यूल 3—विद्यालयों में पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा

मॉड्यूल 4— शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में जेंडर आयामों की प्रासंगिकता

मॉड्यूल 5— विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें

पहले 'प्रशिक्षण पैकेज' में दो खण्ड हैं। खण्ड 1 में क्रॉस कटिंग (सामान्य सरोकार) दिए गए हैं जो कि 12 मॉड्यूल्स के माध्यम से बताए गए हैं और निम्नवत् हैं—

मॉड्यूल 1

पाठ्यचर्या, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षणशास्त्र, सीखने के प्रतिफल और समावेशी शिक्षा

यह माड्यूल निम्नलिखित मुद्दों को प्रतिबिंबित करने और संबोधित करने के लिए शिक्षकों को प्रेरित करने

© NCERT not to be republished

और सशक्त बनाने वाले विषयों और विषयवस्तु पर केंद्रित है।

- बच्चे कैसे सीखते हैं और उनके संदर्भ (समाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि और भावनाएँ) उनके सीखने पर क्या प्रभाव डालते हैं? बच्चों की शिक्षा को बढ़ाने में शिक्षक क्या भूमिका निभा सकते हैं?
- समोवेशी व्यवस्था में बच्चों के सीखने को बढ़ावा देने में पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और अन्य शिक्षण संसाधनों की क्या भूमिका है?
- समावेशी कक्षाओं में हर बच्चे की ज़रूरतों को कैसे संबोधित करें?
- शिक्षकों द्वारा बच्चों की सीखने में प्रगति को कैसे ट्रैक किया जा सकता है? विद्यालय प्रत्येक कक्षा में शिक्षार्थियों के वांछित सीखने के प्रतिफलों को कैसे सुनिश्चित करेंगे?

मॉड्यूल 2

स्वस्थ विद्यालय पर्यावरण बनाने के लिए व्यक्तिगत-सामाजिक योग्यता विकसित करना

यह मॉड्यूल निम्नलिखित मुद्दों से संबंधित है—

- शिक्षार्थियों को उनके समग्र विकास के लिए कौन-से व्यक्तिगत-समाजिक गुणों को विकसित करने और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है?
- कक्षा और विद्यालय में बच्चों के अनुकूल और समावेशी वातावरण में शिक्षार्थियों में इन गुणों को विकसित करने के लिए शिक्षकों को क्या कदम उठाने की आवश्यकता है?
- बच्चों को भावनात्मक सहायता प्रदान करने के लिए शिक्षकों में किन कौशलों और गुणों की आवश्यकता होती है?
- सुरक्षित और स्वस्थ विद्यालय वातावरण बनाने के लिए स्कूल में क्या गतिविधियाँ की जा सकती हैं?
- विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण एवं शिक्षार्थियों में जीवन कौशल तथा मूल्यों का विकास कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है?

मॉड्यूल 3

कला समेकित शिक्षा (अनुभावात्मक अधिगम का एक शैक्षणिक तरीका)

यह मॉड्यूल निम्नलिखित मुद्दों से संबंधित है—

- कला समेकित शिक्षा क्या है?
- सभी विषय क्षेत्रों को पढ़ाने के लिए इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है?
- कक्षा शिक्षण में कला को समेकित करने के लिए शिक्षक क्या गतिविधियाँ कर सकते हैं? कला समेकित शिक्षा शिक्षार्थियों को उनके समग्र विकास की ओर ले जाने में किस प्रकार मदद करती है?

मॉड्यूल 4

विद्यालय आधारित आकलन

यह मॉड्यूल निम्नलिखित मुद्दों से संबंधित है—

- विद्यालय आधारित आकलन (एस.बी.ए.) की अवधारणा और अर्थ
- व्यक्तित्व के प्रत्येक पहलू को ध्यान में रखते हुए विद्यालय आधारित आकलन शिक्षार्थियों के समग्र विकास में कैसे मदद करता है?
- विद्यालय विषय क्षेत्रों में आकलन
- सीखने के प्रतिफलों के आधार पर गतिविधियों और प्रश्नों को कैसे विकसित किया जाए?

© NCERT not to be republished

- स्कूल में विद्यालय आधारित आकलन को किस प्रकार क्रियान्वित करें ?

मॉड्यूल 5

विद्यालय में स्वास्थ्य और कल्याण

यह बच्चों के समग्र विकास के लिए एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह मॉड्यूल निम्नलिखित बिंदुओं को विस्तार से बताता है—

- स्कूलों के लिए स्वास्थ्य और कल्याण का महत्व
- स्कूल जाने वाले बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य और कल्याण के पहलू
- कार्य/अभ्यास जो स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देते हैं।

माड्यूल 6

शिक्षण अधिगम और आकलन में आई.सी.टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का समाकलन

यह मॉड्यूल निम्नलिखित मुद्दों से संबंधित है—

- स्कूलों में आई.सी.टी. का महत्व
- सीखने-सिखाने और आकलन में आई.सी.टी. का एकीकरण

मॉड्यूल 7

विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें

यह एक जानकारी परक मॉड्यूल है जिसका उद्देश्य शिक्षकों और स्कूल-प्रमुखों को निम्नलिखित बिंदुओं के बारे में जागरूक करना है—

- समग्र शिक्षा और स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए इसके तहत की गई पहल और प्रावधान
- रंगोत्सव, पुस्तकालय, खेल, आत्मरक्षा, स्कूल सुरक्षा, प्री-स्कूल, विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, आदि से संबंधित समग्र शिक्षा के प्रावधान
- यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इनफ़ॉमेर्शन सिस्टम फ़ॉर एजुकेशन (यू.डी.आई.एस.ई.), प्रदर्शन ग्रेड इंडेक्स (पी.जी.आई.), शगुन रिपॉजिटरी
- राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य/अभ्यास जिन्हें विद्यालयी कार्यों/अभ्यासों को बेहतर बनाने के लिए शामिल किया जा सकता है।

खंड 2

शिक्षणशास्त्रीय सरोकार दिए गए हैं जिसमें पाँच मॉड्यूल शामिल हैं— पर्यावरण अध्ययन, गणित, विज्ञान, भाषा और सामाजिक विज्ञान।

मॉड्यूल 8

पर्यावरण अध्ययन का शिक्षणशास्त्र

यह मॉड्यूल निम्नलिखित सरोकारों से संबंधित है—

- प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति क्या है?
- पर्यावरण अध्ययन के सीखने के प्रतिफल और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएँ क्या हैं?
- पर्यावरण अध्ययन के विभिन्न घटकों पर गहन अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए कौन-सी गतिविधियाँ की जा सकती हैं?
- सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में आकलन को किस प्रकार से एकीकृत किया जा सकता है?

मॉड्यूल 9

गणित शिक्षणशास्त्र

यह मॉड्यूल गणित को इस प्रकार प्रस्तुत करता है जो सभी के लिए आनंददायी बन सके। चुनौतीपूर्ण और

© NCERT not to be republished

दिलचस्प गतिविधियाँ और प्रश्न, इस मॉड्यूल की विशेषताएँ हैं। इसके अतिरिक्त मॉड्यूल निम्नलिखित बिंदुओं से संबंधित है—

- गणित की प्रकृति क्या है?
- गणित के सीखने के प्रतिफल और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएँ क्या हैं?
- गणित के विभिन्न घटकों पर गहन अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए कौन-सी गतिविधियाँ की जा सकती हैं?
- गणित से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में आकलन को किस प्रकार से एकीकृत किया जा सकता है?

मॉड्यूल 10

भाषा शिक्षणशास्त्र

यह मॉड्यूल प्राथमिक से उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए भाषा सीखने से संबंधित अंत:क्रियात्मक गतिविधियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने के साथ-साथ निम्नलिखित मुद्दों की व्याख्या करता है—

- सीखने में भाषा की केंद्रीयता
- पहली, दूसरी, तीसरी भाषा और विदेशी भाषा के रूप में भाषा का शिक्षण
- भाषा शिक्षण और सीखने के प्रतिफल को प्राप्त करने के उद्देश्य
- भाषाओं में राष्ट्रीय और शैक्षिक सरोकारों को संबोधित करना
- भाषा आकलन और इसकी प्रक्रियाएँ

मॉड्यूल 11

विज्ञान शिक्षणशास्त्र (उच्च प्राथमिक स्तर)

विज्ञान का अपना शिक्षणशास्त्र है जिसमें हाथों के अनुभवों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। यह मॉड्यूल बच्चों को विज्ञान सीखने में मदद करने के लिए शिक्षक को अवसर प्रदान करता है। मॉड्यूल निम्नलिखित से संबंधित है—

- विज्ञान क्या है?
- उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान के सीखने के प्रतिफल और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएँ क्या है?
- विज्ञान के विभिन्न घटकों पर गहन अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए कौन-सी गतिविधियाँ की जा सकती हैं?
- विज्ञान में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में आकलन को किस प्रकार से एकीकृत किया जा सकता है?

मॉड्यूल 12

सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र (उच्च प्राथमिक स्तर)

यह मॉड्यूल एकीकृत तरीके से इतिहास, भूगोल और राजनीति विज्ञान से संबंधित है। मॉड्यूल निम्नलिखित मुख्य मुद्दों को संबोधित करता है—

- सामाजिक विज्ञान के सीखने के प्रतिफल और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएँ क्या हैं?
- सामाजिक विज्ञान के सीखने के प्रतिफल और शिक्षणशास्त्रीय प्रक्रियाएँ क्या है?
- सामाजिक विज्ञान के विभिन्न घटकों पर गहन अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए कौन-सी गतिविधियाँ की जा सकती हैं?
- सामाजिक विज्ञान में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में आकलन को किस प्रकार से एकीकृत किया जा सकता है?

सभी मॉड्यूल में क्यूआर कोड (QR Code) हैं जिसमें राज्य और ब्लॉक स्तर पर सत्र आयोजित

© NCERT not to be republished

करने के लिए उपयोगी ई-संसाधन हैं। इसके अलावा, www.nishtha.@nic.in के साथ एक लर्निंग मैनेजमेंट पोर्टल भी बनाया गया है जो सीखने-सिखाने के अनेक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करता है।

उपरोक्त के अलावा जो दूसरा पैकेज है— विद्यालय प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए उसमें भी विकास पर भी एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया गया है। जिसके दो खंड हैं। खण्ड 1 में नेतृत्व संबंधी मॉड्यूल्स दिए गए हैं जिसके अंतर्गत पाँच मॉड्यूल हैं। खण्ड 2 में कार्यशाला अनुसूची एवं सत्र योजना दी गई है।

नेतृत्व पैकेज खंड 1— नेतृत्व संबंधित मॉडयूल्स

इस भाग में पाँच मॉड्यूल हैं जो राज्य संसाधन व्यक्ति नेतृत्व (एस.आर.पी.एल.), विद्यालय प्रमुख एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकर्ताओं के नेतृत्व संवर्धन हेतु बनाए गए हैं। विवरण निम्न प्रकार है—

मॉड्यूल 1

विद्यालय नेतृत्व— अवधारणा एवं अनुप्रयोग

यह मॉड्यूल विद्यालय प्रमुखों, अध्यापकों एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकर्ताओं में विद्यालय नेतृत्व पर ज्ञान, कौशल एवं दृष्टिकोण बढ़ाने हेतु विषयवस्तु के बारे में बताता है। साथ ही यह मॉड्यूल विद्यालय में अधिगम वातावरण को विकसित करने एवं अकादमिक पर्यवेक्षण के मुद्दों पर विशेष जानकारी देता है। इससे जुड़े हुए चिंतन-मनन के प्रश्न इस प्रकार हैं—

- एक प्रभावी विद्यालय नेतृत्वकर्ता की बहुमुखी भूमिकाएँ एवं दायित्व क्या हैं? विद्यालय प्रमुख के लिए अकादमिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका किस प्रकार महत्वपूर्ण हैं?
- विद्यालय नेतृत्वकर्ता के लिए अकादमिक नेतृत्व का क्या अभिप्राय है?
- विद्यार्थी-अधिगम एवं विद्यार्थी-अधिगम प्रतिफलों को बढ़ाने हेतु विद्यालय प्रमुख, कक्षाओं की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का पर्यवेक्षण किस प्रकार कर सकता/सकती है?
- विद्यालय विकास योजना क्या है एवं विद्यालय के रूपांतरण हेतु इसका प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है?

मॉड्यूल 2

पूर्व-प्राथमिक शिक्षा

यह मॉड्यूल निम्न विषयों पर चर्चा करता है—

- पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के लिए उपयुक्त विकासात्मक व उचित अभ्यास एवं शिक्षणशास्त्र क्या हैं?
- पूर्व-प्राथमिक शिक्षा किस प्रकार यह सुनिश्चित करती है कि सभी बच्चों में जीवनपर्यंत अधिगम हेतु एक मज़बूत नींव बन सके एवं वे सभी प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करने के योग्य बन सकें?
- बच्चों की वृद्धि, विकास एवं अधिगम आवश्यकताओं के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए, बाल जीवन चक्र के प्रथम छह वर्षों से संबंधित महत्वपूर्ण पहलू क्या हैं?
- अकादमिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विद्यालय प्रमुख की क्या भूमिका होनी चाहिए ताकि वह पूर्व-प्राथमिक बच्चों में प्रारंभिक संख्यात्मक

© NCERT not to be republished

ज्ञान एवं साक्षरता बढ़ाने हेतु अध्यापकों का सहयोग कर सकें?

मॉड्यूल 3

विद्यालयों में पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा

यह मॉड्यूल निम्न विषयों पर चर्चा करता है —

- कक्षा 6 से कक्षा 8 की पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के संदर्भ में शिक्षा के व्यावसायीकरण से क्या तात्पर्य है?
- विद्यालय नेतृत्वकर्ता विद्यार्थियों को पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के लिए किस प्रकार तैयार कर सकते हैं एवं 21वीं सदी हेतु वांछित दक्षता के विकास में अपना योगदान किस प्रकार दे सकते हैं?
- विद्यालय नेतृत्वकर्ता विद्यार्थियों को पूर्व-व्यावसिक शिक्षा के लिए किस प्रकार तैयार कर सकते हैं एवं 21वीं सदी हेतु वांछित दक्षता के विकास में अपना योगदान किस प्रकार दे सकते हैं?
- विद्यालय नेतृत्वकर्ता विद्यालय में किन पूर्व-व्यावसायिक प्रक्रियाओं की शुरुआत कर सकते हैं जो बच्चों की पढ़ाई पूर्ण होने के पश्चात, व्यावसिक रूप से उन्हें उपलब्ध हैं?
- अपने अध्यापकों के साथ मिलकर, विद्यालय नेतृत्वकर्ता किस प्रकार अपने विद्यार्थियों को कार्य व श्रम की महत्ता को समझा सकते हैं एवं साथ ही उनमें इनके प्रति विश्वास भर सकते हैं?

मॉड्यूल 4

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में जेंडर आयामों की प्रासंगिकता

यह मॉड्यूल अग्रलिखित विषयों पर चर्चा करता है—

- विद्यालय एवं कक्षा प्रक्रिया में जेंडर संवेदीकरण से क्या तात्पर्य है?
- विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं अध्यापक किस प्रकार एक ऐसे विद्यालय वातावरण का निर्माण कर सकते हैं जो जेंडर समानता के आधार पर शिक्षा से प्रजातांत्रीकरण पर केंद्रित हो?
- जेंडर समानता की तर्ज पर स्वयं, शिक्षकों और कर्मचारियों के दृष्टिकोण, विश्वास और व्यवहार के प्रारूप को बदलने में एक स्कूल नेतृत्वकर्ता की क्या भूमिका है?
- जेंडर समानता को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय नेतृत्वकर्ता की स्वयं, अध्यापकों एवं स्टाफ़ के दृष्टिकोण, मान्यताओं एवं व्यावहारिक गतिविधियों के परिवर्तन हेतु क्या भूमिका हो सकती है?
- कैसे विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकर्ता नामांकन में जेंडर असमानता को कम कर सकते हैं एवं सभी के समान अधिगम अवसरों के वितरण को सुनिश्चित कर सकते हैं?
- कैसे विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकर्ता नामांकन में जेंडर असमानता को कम कर सकते हैं एवं सभी में समान अधिगम अवसरों के वितरण को सुनिश्चित कर सकते हैं?

मॉड्यूल 5

विद्यालयी शिक्षा में नई पहलें

यह मॉड्यूल निम्न विषयों पर चर्चा करता है—

- विद्यालयी शिक्षा में हुई वर्तमान पहलों को जानने की विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकताओं को क्या आवश्यकता है (परफ़ॉर्मेंस

© NCERT not to be republished

ग्रेडिंग इंडेक्स, यू.डी.आई.एस.ई., समग्र शिक्षा के विभिन्न घटक आदि)?

- विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार हेतु विद्यालय नेतृत्वकर्ता एवं व्यवस्था स्तरीय कार्यकर्ता किस प्रकार समग्र शिक्षा के विभिन्न घटकों को व्यवहार में ला सकते हैं?

खंड 2— कार्यशाला अनुसूची और सत्र योजना

इस खण्ड में कार्यशाला अनुसूची और सत्र योजना से संबधिंत सामग्री दी गई है। यह सामग्री www.nishtha@nice.in पर भी उपलब्ध है।

प्रशिक्षण पैकेज एवं नेतृत्व पैकेज का प्रयोग

प्रशिक्षण पैकेज एवं नेतृत्व पैकेज, मुख्य संसाधन व्यक्तियों (KRPs) और शिक्षकों दोनों के लिए तैयार किया गया है। मुख्य संसाधन व्यक्तियों में एस.सी.ई.आर.टी., डाइट, आई.ए.एस.ई., सी.टी.ई., बी.आर.सी., सी.आर.सी. और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के सदस्य शामिल होंगे। जिनकी पहचान संबंधित राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा की गई है। निष्ठा कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि वे सीधे शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं। अत: यह आवश्यक है कि मुख्य संसाधन व्यक्ति प्रशिक्षण पैकेज को पढ़कर समझ ले और शिक्षकों को गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित करें। गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षित करने से शिक्षकों की प्रशिक्षण में रुचि बनी रहती है और वे बच्चों को भी गतिविधि और क्रिया के माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रशिक्षण को भली भाँति प्राप्त कर बच्चों तक इसका लाभ पहुँच सकेगा साथ ही शिक्षकों का भी सर्वांगिण विकास हो पाएगा।

प्रशिक्षण, शिक्षार्थियों के सीखने के प्रतिफलों में सुधार करने के लिए एक बेहतर समझ, कुशलताएँ और नए शैक्षणिक दृष्टिकोण विकसित करता है।

© NCERT not to be republished

विद्यालय आधारित आकलन के क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों की समझ विकसित होती है। सभी विषय क्षेत्रों में हर विषय वर्ग के लिए निर्धारित सीखने के प्रतिफलों को प्राप्त करने में बच्चों की मदद होगी और शिक्षक पथ प्रदर्शक की भूमिका का निर्वहन कुशलतापूर्वक कर सकेंगे। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण, सीखने के प्रतिफलों की प्राप्ति के लिए प्राचार्यों और राज्य अधिकारियों की समझ विकसित होगी।

इसका एक लाभ यह भी है कि मुख्य संसाधन व्यक्ति प्रशिक्षण पैकेज को ध्यान से पढ़कर, गतिविधियों के संचालन के लिए अपनी योजना बना सकते हैं और उसके अनुरूप प्रशिक्षण दे सकते हैं साथ ही अपनी स्वयं की क्षमतावर्धन कर सकते हैं। इस कार्य में पैकेज और निष्ठा वेब पोर्टल पर पाठ्यसामग्री सहायक होगी (//itpd.ncert.gov.in/), वेब संसाधन, जैसे— ई-पाठशाला और एन.आर.ओ.ई.आर का प्रयोग कर सकते हैं। प्ले स्टोर से निष्ठा एप डाउनलोड कर सकते हैं। सभी मॉड्यूल हिंदी एवं अंग्रेज़ी भाषा में उपलब्ध हैं। इनसे संबंधित पावर-पॉइंट प्रेजेनटेशन भी वेब पोर्टल पर देख सकते हैं। राष्ट्रीय संसाधन समूह द्वारा वीडियो प्रोग्राम भी आप पोर्टल पर देख सकते हैं। यदि आपके मन में कोई प्रश्न हो तो *डिस्कशन फोरम* में जाकर पूछ सकते हैं और अपने विचार भी दूसरों से साझा कर सकते हैं।

आपके और हमारे सहयोग से निष्ठा कार्यक्रम का लाभ शिक्षकों और बच्चों को मिल सकता है। ज़रूरी है कि हम पूर्ण निष्ठा से इस कार्यक्रम में अपनी प्रतिभागिता दें और इसे सफल बनाने का प्रयास करें। हमारे राष्ट्र की यह पहल विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठा और अहम प्रयास होगा जिससे हमारे देश के बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सकेगा।

© NCERT not to be republished

संदर्भ

रा.शै.अ.प्र.प. 2019. *निष्ठा— स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल, प्रशिक्षण पैकेज,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नयी दिल्ली.

———. 2019. *निष्ठा— विद्यालयप्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल, नेतृत्व पैकेज,* राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली.